pose to subsidise the sale of soft-coke in the rural areas The approach should be to encourage use of soft coke in urban areas in replacement of the use of fire wood and charcoal, so that the availability of fuel-wood in rural areas may improve, thus reducing the pressure on the use of cattle dung as fuel in rural areas resulting in saving it for use as manure

मछली पालने तथा पकड़ने के लिये प्रशिक्षण केन्द्र

2965. श्री विभूति मिश्र
श्री क० ना० तिवारी

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार का विचार देश में मछली पालने तथा पकड़ने के लिये दस प्रशिक्षण केन्द्रों को जिन में केन्द्रीय सरकार द्वारा बिहार में चलाया जाने वाला एक केन्द्र भी शामिल है बन्द करने का है और

(ख) यदि हां तो क्या यह भी सच है कि सरकार का विचार बिहार में दानापुर केन्द्र को बन्द करने के बाद उत्तरी बिहार में मोतिहारी में एक केन्द्र स्थापित करने का है ?

खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जिन केन्द्रों के बारे में कहा गया है वे प्रायः मत्स्य विस्तार एकक हैं जो बिहार सहित कुछ राज्यों में चलाए जा रहे थे । ऐसे आठ एकक थे । 28 फरवरी, 1967 को ये सब एकक बन्द कर दिए गए । खर्च में कमी करने के लिए इस संबंध में प्रधान मंत्री द्वारा 1965 में स्थापित की गई एक विशेष समिति की सिफारिश के अनुसार ये बन्द किए गए थे ।

(ख) केन्द्रीय सरकार किसी राज्य में मत्स्य विस्तार एकक खोलने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है ।

Park Hotel at Park Street, Calcutta

2966 **Shri Madhu Limaye:**
Shri S. M. Banerjee:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri George Fernandes:

Will the Minister of **Tourism and Civil Aviation** be pleased to state:

(a) whether the refusal to give licence to the Proprietor of the Park Hotel at Park Street, Calcutta on technical grounds has since been withdrawn,

(b) whether any enquiry was made as to whether the necessary steel and cement quota had been obtained by the Proprietor of this Hotel before undertaking its construction,

(c) if so, the conclusions reached, and

(d) whether any proceedings have been started by Government against the Proprietor for constructing the Park Hotel without valid cement and steel permits/quota?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh): (a) No, Sir The matter is under consideration of the State Government

(b) and (c) Yes, Sir The State Government have issued permits for 860 tons of cement to Messrs Aruna Estates Private Ltd, Calcutta for construction of Park Hotel However, their records do no show that any steel permits have been issued in favour of the firm for this hotel No application for steel permit was made to the Iron & Steel Controller Government of India

(d) No, Sir

Agricultural Universities in India

2967. Shri P. Viswambharan: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the number of Agricultural Universities in India and

(b) the names of Agricultural Universities and the places where each one of them is located?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) Eight.

(b) The nomes of the Unniversities are:

1. U.P. Agricultural University, Pantnagar (Distt. Nainital U.P.)
2. Punjab Agricultural University, Ludhiana (Punjab).
3. Udaipur University, Udaipur (Rajasthan)
4. Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar (Orissa).
5. Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad (A.P.)
6. University of Agricultural Sciences, Hebbal Bangalore (Mysore)
7. Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur (M.P.)
8. University of Kalyani, Kalyani (W.B.)

बनाये गये (हाइड्रोजनेटेड) तेल की कमी

2968. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने नारियल, खजूर तथा सोयाबीन के तेलों का सस्ते भाव पर आयात कर के खाना पकाने के तेलों की कमी को पूरा करने का प्रबन्ध किया है;

(ख) यदि हां, तो 1966–67 में इन तेलों के आयात पर कितनी विदेशी मुद्रा व्यय की गई; और

(ग) देश में कितनी फर्में इन तेलों का उत्पादन करती हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे) : (क) वनस्पति बनाने में प्रयुक्त करने के लिये सोयाबीन तथा सूरजमुखी के तेल की कुछ मात्रा का आयात किया जा रहा है ।

(ख)

	सोयाबीन का तेल	सूरजमुखी का तेल
साधन	संयुक्त राज्य अमेरिका	रूस
मात्रा (मीटरी टन)	31,275	16,000*
विदेशी मुद्रा का व्यय		
वस्तु पर लागत (रु० लाख)	शून्य	199 99** (दोनों पंक्तियों के लिये)
भाड़े पर (रु० लाख)	38 22	
	38.22	199.99

इसमें उपहार रूप में प्राप्त मुफ्त 6,000 मीटरी टन की मात्रा शामिल है, लेकिन यह मात्रा कीमत पर वनस्पति उद्योग को सुलभ की गयी थी, इस बिक्री से प्राप्त राशि को सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता कार्यों पर खर्च किया जाएगा ।

(ग) इन तेलों का देश में उत्पादन नहीं हो रहा है ।

*पी० एल० 480 के टाइटल 1 के अधीन रुपयों में अदायगी ।

**खरीदे गये 10,000 मीटरी टन सूरजमुखी के तेल की लागत भाड़ा सहित ।